लोन खाते को हैक कर 38.80 लाख की साइबर ठगी, तीन जने गिरफ्तार

आरोपियों द्वारा खाते खुलवाकर कमीशन बेस पर ठगी के रुपये प्राप्त किये जाते थे

दौसा, (निसं)। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने साइबर शील्ड अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। परिवादी के ओ. डी. लोन खाते को हैक कर उसमें से 38 लाख 80 हजार रुपये की साइबर ठगी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार किए हैं। आरोपियों द्वारा स्वयं के बैंक खाते खुलवाकर कमीशन बेस पर साइबर ठगी के रुपये प्राप्त किये जाते हैं।

जानकारी के अनुसार परिवादी हंसराज गुर्जर पुत्र रामकिशन गुर्जर निवासी खुरी ने 12 दिसंबर को पुलिस थाना साइबर क्राइम में इस आशय की रिपोर्ट पेश की कि मेरे पास एक्सिस बैंक के नाम से बैंक का डाटा अपडेट करने के लिये फोन आया। उसे एक पीडीएफ फाइल भेजी और कहा कि आपका डाटा चैक कर लीजिये। वह बिहारी टाइप की भाषा बोल रहा था। एक दो बार पीडीएफ खोल कर देखी तो यह फाइल नहीं खुली। तब बैंक खाते का बैलेंस चैक किया तो बैलेंस सेम था, लेकिन कुछ दिन बाद पत्नी बादाम देवी के ओडी (लोन) खाता के बैलेंस को चैक किया तो उसमे से 22 से 27 नवंबर के मध्य 38 लाख 80 हजार 112 रुपये ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से विड्रोल मिला, जबकि हमने किसी प्रकार का ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई व नेट बैंकिंग का उपयोग नहीं किया गया है।

साइबर ठगी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- **राशि को कमीशन बेस पर स्वयं के बैंक खातों में प्राप्त कर रुपयों को एटीएम के माध्यम से कैश कर लिया जाता था**

एसपी रंजीता शर्मा ने साइबर क्राइम पुलिस के डीएसपी बृजेश कुमार मीना नेतृत्व में साइबर क्राइम पुलिस, थाना कोतवाली व साइबर सैल से एक विशेष टीम का गठन कर तकनीकी आधार पर आरोपी की तलाश कराई। इस पर 17 जनवरी को आसनसोल, निमटपुर जिला वर्धमान (पश्चिम बंगाल) से तीन आरोपियों ईशान ठाकुर पुत्र राजा ठाकुर नाई निवासी बुधा विलेज नियर शिव मंदिर आसनसोल जिला वर्धमान प. बंगाल व पारिजात घोष पुत्र प्रदीप घोष निवासी सी टाइप बंगलो पोस्ट सुंदरचौक पुलिस थाना कुल्टी जिला वर्धमान प. बंगाल व श्यामल रूईदास पुत्र ज्योति रूईदास निवासी हरिजनपारा मोहल्ला निमटपुर जिला वर्धमान पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार कर आसनसोल न्यायालय में पेश कर ट्रांजिट रिमाण्ड प्राप्त किया गया। इसमें अन्य मुलजिमों की तलाश जारी है।

साइबर ठगों द्वारा ओडी (लोन) बैंक खाता को हैक कर के आम लोगों से ठगी कर घटना को अंजाम दिया जाता है। आरोपियों द्वारा साइबर ठगों द्वारा ठगी गयी राशि को कमीशन बेस पर स्वयं के बैंक खातों में प्राप्त कर रुपयों को एटीएम के माध्यम से कैश कर लिया जाता है।

संविदा कर्मियों की भर्ती में हुई धांधली को लेकर प्रदर्शन

कांग्रेस पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

- **कांग्रेस नेताओं ने भर्ती प्रक्रिया को लेकर मेडिकल कॉलेज प्रशासन और ठेकेदार एजेंसी पर मिलीभगत और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया**
- **जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर भर्ती को निरस्त करने और नियमानुसार प्रक्रिया चलाने की मांग की**

दौसा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज में संविदा कर्मियों की भर्ती में हुई धांधली को लेकर सोमवार को कांग्रेस पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने इस भर्ती प्रक्रिया को लेकर मेडिकल कॉलेज प्रशासन और ठेकेदार एजेंसी पर मिलीभगत और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर भर्ती को निरस्त करने और नियमानुसार प्रक्रिया चलाने की मांग की।

विधायक डीसी बैरवा ने आरोप लगाया कि मेडिकल कॉलेज दौसा में संविदा पर भर्ती करते समय योग्यता और मैरिट को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि जब इस मुद्दे को लेकर मेडिकल कॉलेज प्रशासन से संपर्क किया गया तो कोई ठोस जवाब नहीं मिला। यह बेरोजगार युवाओं के लिए अन्यायपूर्ण है। प्रधान प्रहलाद मीणा ने कहा कि इस भर्ती प्रक्रिया में उन युवाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी, जिन्होंने कोरोना महामारी के समय सीमित मेहनताने पर अपनी जान जोखिम में डालकर काम किया। ऐसे युवाओं को योग्यता और अनुभव के आधार पर मौका देना चाहिए था। नगर अध्यक्ष घनश्याम भांडारेज ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है। कई योग्य बेरोजगार युवाओं के आवेदन स्वीकार तक नहीं किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि मेडिकल कॉलेज प्रशासन और ठेकेदार एजेंसी के बीच मिलीभगत से भ्रष्टाचार की बू आ रही है।

कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में यह मांग की कि भर्ती प्रक्रिया को तुरंत निरस्त किया जाए, नई भर्ती नियमानुसार योग्यता और मैरिट के आधार पर की जाए, कोरोना काल में सेवा देने वाले योग्य युवाओं को प्राथमिकता दी जाए। इस विरोध प्रदर्शन में महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष रुक्मणी गुप्ता, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हेमराज अवाना, नरेंद्र जैमन, उमाशंकर बनियाना और शीतल चौबे समेत कई नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। वहीं, बेरोजगार युवाओं ने भी इस मुद्दे को लेकर आक्रोश जताया है।

लूट करने वाले दो गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। राहगीर से लौटकर चांदी की चेन व मोबाइल लूट के मामले में पुलिस ने वांछित दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूर्व में इस मामले में तीन जनों को जिसमें एक बाल अपचारी भी शामिल था, उनसे लूट का माल बरामद कर लिया गया है। थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस की गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा लूट गिरोह के अन्य वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। लूट के आरोपी कैलाश गुर्जर निवासी कुणी थाना नावां व गोरधन गुर्जर निवासी लाखनपुरा चौसला थाना नावां जिला डीडवाना कुचामन के निवासी हैं।

महिला की संदिग्ध मौत मामले का खुलासा नहीं होने पर आक्रोश

नारायणपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुण्डावरा में एक सप्ताह पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में हुई अनीता सैनी की मौत का खुलासा नहीं होने और आरोपियों की गिरफ्तारी में हो रही देरी के कारण ग्रामीणों ने सोमवार को आक्रोश जताते हुए तहसीलदार अनिल कुमार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने घटना का जल्द से जल्द खुलासा करने और दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग की।

- **तहसीलदार को ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन, घटना का खुलासा करने की मांग की**

जानकारी के अनुसार 12 जनवरी को अनीता सैनी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मृतका के पीहर पक्ष ने आरोप लगाया था कि अनीता के ससुराल पक्ष में उनके पति, जेठ, सास और ससुर ने उसकी हत्या की है। उन्होंने बताया कि ससुराल वालों ने न तो पीहर पक्ष को अनीता की मौत की सूचना दी और न ही मौके पर किसी को बुलाया। बाद में गांव वालों ने पीहर पक्ष को फोन कर सूचना दी, जिससे पता चला कि अनीता की हत्या कर दी गई है। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के एक सप्ताह बाद भी पुलिस ने न तो मामले का खुलासा किया है और न ही आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस लापरवाही से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सोमवार को ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर अनीता को न्याय दो के नारे लगाए। इसके बाद उन्होंने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर जल्द कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन तेज करेंगे। इस दौरान रमेश, राजू, हीरा देवी, बाबूलाल, राहुल, योगेश, राकेश, रोहिताश, कैलाश, मोहन, ईमरती, कमला, ममता, मेघराज और घनश्याम सैनी समेत ग्रामीण और महिलाएं शामिल थी।

शिक्षक को मंडोर बुलाकर 10 लाख की डिमाण्ड की

जोधपुर, (कासं)। शहर के एक शिक्षक को इंस्टाग्राम आईडी पर लड़की से मैसेज करवाने के बाद दो सगे भाइयों ने ब्लैकमेल करने का प्रयास किया। उसे मंडोर बुलाया और एक स्थान पर मारपीट करते हुए दस लाख की डिमाण्ड रखी। उसके भाई को कॉल कर दस लाख रूपए मांगे गए। घटना शनिवार की है। पीड़ित शिक्षक के बहनोई ने रविवार को मंडोर थाने में इसकी रिपोर्ट दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और लोकेशन के आधार पर दो सगे भाइयों को बापर्दा गिरफ्तार कर दो मोबाइल जब्त किए। मामले में जांच की जा रही है।

मदेरणा कॉलोनी माता का थान निवासी राजेश पुत्र तुलसीराम चौधरी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके साले शिक्षक नेताराम चौधरी को 18 जनवरी को इंस्टाग्राम आईडी पर लड़की का मैसेज आया और उसे मंडोर बुलाया गया। इस पर उसका साला नेताराम गांव से रवाना होकर सुबह मंडोर गया, जहां पर बाद में उसी नंबर से उसके बड़े भाई के पास में कॉल आया और दस लाख रूपयों की डिमाण्ड रखी। अन्यथा नेताराम को बदमान करने के साथ लड़की के केस में फंसाने के लिए धमकाया। नेताराम के साथ मारपीट भी करने लगे। पीड़ित के बहनोई ने पुलिस को सूचना दी और केस दर्ज करवाया।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक टीम डीएसटी पूर्व प्रभारी श्याम सिंह, मंडोर थाना प्रभारी एसआई अरूणा, एएसआई धन्नाराम, जगदीश चंद्र, हैड कांस्टेबल बंशीलाल, कांस्टेबल मुकेश, पांचाराम, साहबराम की गठित की गई। पुलिस ने आसपास मोबाइल लोकेशन निकालकर दो सगे भाइयों मथानिया के खुडियाला स्थित भाकारों की ढाणियां निवासी भिंयाराम पुत्र रामूराम एवं चौलाराम जाट को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

25 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती बनाड़ क्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति से सरकारी विभागों में नौकरी लगवाने के नाम पर 25 लाख की धोखाधड़ी हो गई। उससे चार सालों में यह रकम ऐठी गई। आखिर में आरोपी ने मना कर दिया। पीड़ित ने अब पुलिस की शरण लेकर केस दर्ज करवाया है। बनाड़ पुलिस ने बताया कि विश्नोईयों की ढाणी बनाड़ निवासी परसाराम पुत्र पुनाराम चौधरी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि चार साल पहले फरवरी 2021 में उसका संपर्क बनाड़ क्षेत्र में रहने वाले कैलाशचन्द्र पुत्र खेमाराम के साथ हुआ। उसने सरकारी विभागो में अपनी अच्छी पकड़ और अधिकारियों से पहचान का कहकर उसके पुत्रों और रिश्तेदारों को नौकरी दिलाने तथा अधिकारियों से मुलाकात कराने और नियुक्ति पत्र दिलाने का झांसा देकर उससे अलग अलग समय में करीब 25 लाख रूपये की राशि ले ली, लेकिन चार साल बाद भी न तो किसी की नौकरी लगाई और नहीं दिए गए रूपए वापिस लौटाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

खेतड़ी को जिला बनाने की मांग

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी को जिला बनाने की मांग को लेकर सोमवार को ग्रामीणों ने एसडीएम का कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान तहसीलदार को ज्ञापन देकर खेतड़ी को जिला बनाने की मांग की गई। ग्रामीणों ने सरकार द्वारा जल्द मांग नहीं मानने पर बड़े स्तर पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

- **ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया, तहसीलदार को ज्ञापन देकर मांग नहीं मानने पर बड़े स्तर पर आंदोलन की चेतावनी दी**

ग्रामीणों ने एसडीएम कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

तहसीलदार सुनील कुमार को दिए ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि खेतड़ी को जिला बनाओ की मांग संघर्ष समिति की ओर से पिछले काफी समय से की जा रही है। जिला बनाने की मांग को लेकर संघर्ष समिति व ग्रामीणों की ओर से उच्च स्तर पर भी अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन आमजन की भावनाओं को देखते हुए सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। सरकार द्वारा कोई प्रभावी कदम नहीं उठाने से अब ग्रामीणों में रोष उत्पन्न होने लगा है। उन्होंने बताया कि खेतड़ी को जिला नहीं बनाए जाने से क्षेत्र के लोगों के लिए व्यापार में भी काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं आवश्यक संसाधनों का अभाव होने से खेतड़ी लगातार विकास की गति में पिछड़ रहा है। खेतड़ी वर्तमान समय में जिला बनने की सभी शर्तें पूरी करने के बावजूद भी सरकार की ओर से अनदेखी की जा रही है। जब सरकार की ओर से नगर पालिका व उप तहसील जैसे क्षेत्रों को जिला बना दिया ऐसे में खेतड़ी को जिला नहीं बनाए जाने से खेतड़ी की जनता को गहरा आघात लगा हुआ है।

ग्रामीणों ने बताया कि ऐतिहासिक व भौगोलिक दृष्टि से देखा जाए तो खेतड़ी पूरे विश्व में अपनी एक अलग पहचान रखता है। खेतड़ी के राजा अजीत सिंह ने स्वामी विवेकानंद को शिकागो के धर्म सम्मेलन में भेजकर सनातन धर्म के प्रचार को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया था, जिसकी वजह से खेतड़ी की पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि यदि जिला बनाने को लेकर सरकार ने जल्द ही कोई प्रभावी निर्णय नहीं लिया गया तो खेतड़ी क्षेत्र के ग्रामीणों की ओर से बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

इस मौके पर सुरेश कुमार, पवन शर्मा, राजेश सांखला, सुभाषचंद्र, जुगल किशोर, रामचंद्र, मुरलीधर, विशंभर दयाल, महावीर, संजय, सत्यनारायण, सीताराम कुमावत, संत कुमार, नागरमल, विष्णु दयाल, ओमप्रकाश, प्रवीण कुमार, खेमचंद, विकास कुमार, भरत, अशोक कुमार, रमेश चंद्र सहित अनेक लोग मौजूद थे।

सड़क बनाने की मांग, टंकी पर चढ़े ग्रामीण

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र की मंडावर पंचायत की देवगंज ढाणी के सात लोग गांव में रास्ता नहीं बनने से परेशान होकर करीब 70 फीट ऊंची टंकी पर चढ़ गए। इसकी सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस और प्रशासन ने लोगों को टंकी से उतरने के लिए समझाया, लेकिन वे नहीं माने।

ग्रामीणों ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र की इस ढाणी में आजादी से अब तक रोड नहीं बना है, इसके चलते खासकर बारिश के दिनों में बच्चों समेत लोगों को परेशानी होती है। एक-एक फीट के गड्ढे हो जाते हैं, पूरा रोड कीचड़ से सना रहता है। इस समस्या को लेकर एक साल से तो ग्रामीण मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री, कलेक्टर, स्थानीय विधायक सचिन पायलट आदि को ज्ञापन दे चुके हैं तथा कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर चुके हैं। हर बार आश्वासन मिला, लेकिन अभी तक पक्का रोड बना नहीं। देर शाम तक पुलिस मौके पर मौजूद थी। वहीं ग्रामीण सड़क निर्माण की स्वीकृति की मांग पर अड़े रहे।

पुलिस ने सात गो तस्करों को पकड़ा

किशनगढ़ बास, (निसं)। पुलिस थाना किशनगढ़ बास क्षेत्र के बहुचर्चित रहे रुघ में पांच दिन पहले मिले गोवंश अवशेष मामले में खैरथल एसपी मनीष चौधरी के निर्देशन में किशनगढ़ बास अधिकारियों ने पुलिस टीम के साथ कार्यवाही कर 7 गो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए गो तस्करों के पास से दो गाड़ियां भी जब्त की है। 2024 फरवरी माह में रूघ के जंगल में गोकशी का बड़ा मामला उजागर हुआ था।

थानाधिकारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि 15 जनवरी को सूचना मिली कि पडासला के जंगल में चार-पांच गो वंश कटी पड़ी है। ब्रसंगपुर रुंध गिदावडा पहुंचे देखा तो मौके पर एक नाले में आधी दबी हुई गो वंश की चमड़ी नजर आई, जिसमें दुर्गंध आ रही थी। पशु चिकित्सा अधिकारी ललितेश कुमार शुक्ला ने निरीक्षण कर उक्त अवशेष गोवंश के होना बताया गया तथा करीब तीन-चार दिन पुराना होना बताया। मौके पर मिले मृत गोवंश के अवशेष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। पुलिस ने बिरसगपुर निवासी आरोपी मौसम पुत्र जोरमल, अनीश खान पुत्र कासम निवासी बाघोडा, तारुन खान पुत्र अब्दुल करीम निवासी मिर्जापुर, शौकीन पुत्र नबबी निवासी मिर्जापुर, कामिल पुत्र फजरू निवासी मिर्जापुर, खालिद उर्फ खली पुत्र अब्दुल करीम निवासी मिर्जापुर, सकी मोहम्मद उर्फ सकी पुत्र जोहरू निवासी बिरसगपुर को गिरफ्तार किया है।

साढ़े छह किलो गांजे के साथ दो गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। कपासन थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाले दो आरोपियों गिरफ्तार उनके कब्जे से 6 किलो 580 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया है। मामले में पुलिस ने एक स्कूटी जब्त की है। दोनों आरोपियों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ कार्यवाही एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में चलाये जा रहे अभियान के तहत एएसपी सरिता सिंह व डीएसपी कपासन हरजीलाल यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी रतनसिंह पु.नि. के निर्देश पर थाने के चन्द्रप्रभात उ.नि., कानि. जितेन्द्र, रामपाल, सहदेव, कैलाश व विष्णुगिरी द्वारा थाना क्षेत्र में गश्त की जा रही थी। इसी दौरान एक स्कूटी पर सवार दो व्यक्तियों को रुकवाकर चैक किया तो उनके पास एक प्लास्टिक के कटटे में 6 किलो 580 ग्राम अवैध गांजा मिला। उक्त अवैध गांजा व स्कूटी को जब्त कर आरोपी सदर चित्तौड़गढ़ थाने के प्रतापनगर निवासी 25 वर्षीय दीपक पुत्र केसुराम खटीक व कोतवाली चित्तौड़गढ़ थाने के पावटा चौक निवासी 24 वर्षीय पीयूष उर्फ प्रियांश कुमार पुत्र रतनलाल टेलर को गिरफ्तार किया।

- **एक स्कूटी जब्त, दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा**

गांजा तस्करी का वांछित आरोपी गिरफ्तार : कपासन पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में दो साल से फरार चल रहे एक वांटेड अपराधी को गिरफ्तार किया है। राजसमंद जिले के रेलमगरा थाना क्षेत्र के छोगाबा का खेड़ा निवासी रोशन बंजारा (45) गुजरात में छिपकर फरारी काट रहा था।

एसपी सुधीर जोशी के निर्देशन में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत एएसपी सरिता सिंह और डीएसपी हरजी लाल यादव के पर्यवेक्षण में एसएचओ रतन सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। पुलिस टीम में शामिल एएसआई तेजमल, कांस्टेबल महेंद्र सिंह और राजेश ने मुखबिर नेटवर्क के जरिए सूचना जुटाई। जानकारी मिली कि वांटेड अपराधी रोशन बंजारा अपने गांव आया हुआ है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे धर दबोचा। पूछताछ में पता चला कि वह पिछले दो सालों से गुजरात में छिपकर रह रहा था। कपासन पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में दो साल से फरार चल रहे एक वांटेड अपराधी को गिरफ्तार किया है।

चिकित्सा विभाग ने जांच कमेटी गठित की

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। एंबुलेंस का गेट अटकने से महिला की मौत मामले से संबंधित खबर के बाद चिकित्सा विभाग ने तुरन्त संज्ञान लेते हुए घटना की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीपी गोस्वामी ने बताया कि 20 जनवरी को प्रकाशित खबरों में बताया गया था कि प्रतापनगर क्षेत्र में एक घायल महिला को अस्पताल लाने के दौरान 108 एम्बुलेंस का तकनीकी समस्या के कारण लॉक जाम हो गया। इस कारण महिला को कांच तोड़कर बाहर निकालना पड़ा और मौत हो गई। इस पर विभाग ने तुरन्त संज्ञान लेकर इस घटना की जांच के लिए आदेश जारी कर चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है।

जांच कमेटी में जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा, सहायक लेखाधिकारी प्रेमप्रकाश भाम्बी, डीपीओ एनएचएम योगेश वैष्णव, यूनिट हेड अबरार को शामिल किया गया है। सीएमएचओ डॉ. गोस्वामी ने मामले की विस्तृत जांच कर अविलंब तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश जांच कमेटी को दिए, ताकि इस घटना की वास्तविकता सामने आ सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

नर्सिंग अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद अस्पताल की व्यवस्था चरमराई

पाटन सीएचसी में महज एक नर्सिंग ऑफिसर होने से मरीज परेशान हो रहे हैं

पाटन, (निसं)। कस्बे में स्थित मूलचंद दीवान राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नर्सिंग अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद चिकित्सालय की व्यवस्था पूर्ण रूप से डगमगा गई है। फिलहाल एक नर्सिंग ऑफिसर के भरोसे हॉस्पिटल चल रहा है, जिसके चलते मरीजों को अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार चिकित्सालय में मरीजों की लंबी लाइन देखने को मिली जिनको अपने इंजेक्शन लगवाने का इंतजार हो रहा था। सीएचसी में महज एक नर्सिंग ऑफिसर होने के कारण मरीजों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चिकित्सालय में आठ नर्सिंग अधिकारियों की सीट स्वीकृत थी, जिसमें दो नर्सिंग अधिकारियों की नियुक्ति नहीं होने से 6 नर्सिंग अधिकारी अपनी सेवाएं दे रहे थे। छह में से एक नर्सिंग अधिकारी फर्स्ट ग्रेड का होने से पांच नर्सिंगकर्मी 30 बेड के अस्पताल को संभाल रहे थे। हाल ही में हुए ट्रांसफर में दो नर्सिंग कर्मियों का स्थानांतरण हो जाने से अब चिकित्सालय में तीन नर्सिंग कर्मियों का स्टाफ बचा हुआ है, जिसमें भी अलग-अलग ड्यूटियां लगी होने से मात्र एक नर्सिंग अधिकारी अपनी सेवा दे रहा है। ऐसे में अगर इनमें से किसी नर्सिंग अधिकारी को छुट्टी की जरूरत पड़ गई तो मरीजों की देखरेख करने वाला कोई भी नर्सिंगकर्मी नहीं रहेगा। वर्तमान में अस्पताल में 500 से ऊपर का आउटडोर रहता है, ऐसे में अगर चिकित्सालय में शीघ्र नर्सिंग अधिकारियों की नियुक्ति नहीं हुई तो हॉस्पिटल में अव्यवस्थाओं का आलम बढ़ जाएगा। चिकित्सालय में एक नर्सिंगकर्मी होने के कारण कभी आईपीडी में तो कभी इमरजेंसी में तो कभी सामान्य वार्ड में आकर के इंजेक्शन लगाने पड़ रहे हैं।

पाटन के मूलचंद दीवान राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है।

- **चिकित्सालय में शीघ्र नर्सिंग अधिकारियों की नियुक्ति नहीं हुई तो हॉस्पिटल में अव्यवस्थाओं का आलम बढ़ जाएगा**

बल्लुपुरा सरपंच हवासिंह वर्मा ने बताया कि मुझे अस्पताल में आए हुए दो घंटे हो गए हैं परंतु एक नर्सिंगकर्मी होने से मेरे इंजेक्शन नहीं लग पा रहा है।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. अमित यादव ने बताया कि अस्पताल में पांच कंपाउंडर थे जिनमें से दो कंपाउंडरों का हाल ही में ट्रांसफर हो गया जिस कारण दो-तीन दिन से अस्पताल में अव्यस्थाएं हो रही है। अगर सरकार यहां कंपाउंडरों को नहीं हटाती तो कोई दिक्कत नहीं थी। अब देखते हैं कोई और कंपाउंडर आएंगे तब ही व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चल पाएगी।